AR-7508

Seat No. _____

M. A. (Part - II) Examination

March/April – 2016

Hindi : Paper - VIII

(काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **100**

सूचना : सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1 रस के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए रस के अंगो का परिचय दीजिए ।

अथवा

1 आचार्य कुन्तक द्वारा प्रवर्तित वक्रोक्ति–सिद्धांत की समीक्षा कीजिए ।

2 अरस्तु के अनुकरण सिद्धांत की सविस्तार चर्चा कीजिए ।

अथवा

2 'साहित्य मूलतः जीवन की आलोचना है ।' मेथ्यु आर्नोल्ड के इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

3 अलंकार सिद्धांत का परिचय देते हुए अलंकार के विभिन्न भेदों का परिचय दीजिए ।

अथवा

3 हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

4 निम्नांकित काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार व्यवहारिक समीक्षा कीजिए :

(अ) मैं नहीं चाहता चिर–सुख,
मैं नहीं चाहता चिर दुःख,
सुख–दुख की खेल मिचौनी
खोले जीवन अपना मुख ।

सुख दुःख को मधुर मिलान से

यह जीवन हो परिपरुन,

फिर घन में ओझल हो शशि,

फिर शशि में ओझल हो घन ।

जग पीडित है अति दुःख से,

जग पीडित रे, अति सुख से,

मानव जग में बँट जाएँ

दुःख सुख से औ सुख दुःख से ।

अथवा

(ब) लीक पर वे चले जिनके

चरण दुर्बल और हारे हैं,

हमें तो जो हमारी यात्रा से बने

ऐसे अनिर्मित पंथ प्यारे हैं

साक्षी हो राह रोके खडे

चीले बाँस के झुर–मुट

कि उनमें गा रही है जो हवा

उसी से लिपटे हुए सपने हमारे हैं ।

5 (अ) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) प्लेटो की काव्य विषयक धारणा ।

(2) काव्य हेतु और प्रयोजन के बीच भेद ।

(3) ध्वनि का स्वरूप और सिद्धांत की स्थापनाएँ ।

(4) लोंजाइन्स का उदात्ततत्त्व ।

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अति संक्षेप में लिखिए ।

(1) अलंकार के कितने भेद है, और उनके नाम लिखिए ।

(2) 'शब्दार्थो सहितौ काव्यम्' उक्ति किस आचार्य की है ?

(3) रस संप्रदाय के प्रवर्तक कौन है ?

(4) ध्वनि सिद्धांत की स्थापना किस आचार्य ने की ?

(5) अंग्रेजी के किस शब्द का हिन्दी अनुवाद 'स्वच्छंदतावाद' है ?

(6) मनोविश्लेषणवादी समीक्षा किसके सिद्धांत पर आधारित है ?

(7) प्लेटो के गुरु का नाम क्या है ?

(8) वर्डसवर्थ को किस वाद का प्रवर्तक माना जाता है ?

(9) वक्रोक्ति सिद्धांत के प्रवर्तक आचार्य का नाम बताइए ।

(10) शृंगार रस का स्थायीभाव क्या है ?